

हिंदी अवकाशकालीन गृहकार्य

सभी प्रश्नों और उत्तरों को शामिल किया गया है।

प्रश्न संख्या 1 से लेकर प्रश्न संख्या 8 तक।

1. बिजली संकट और उससे उत्पन्न कठिनाइयों का वर्णन करते हुए अमर उजाला के संपादक के पास पत्र लिखें। (औपचारिक पत्र)

उत्तर:

सेवा में,

संपादक महोदय,

अमर उजाला,

पटना, बिहार - 800007

विषय: बिजली संकट और जनजीवन पर उसके प्रभाव के संबंध में

महोदय,

मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार पत्र के माध्यम से अपने क्षेत्र में बढ़ रहे बिजली संकट और उससे उत्पन्न हो रही कठिनाइयों की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता/चाहती हूँ। पिछले कई हफ्तों से हमारे इलाके में अनियमित और लंबे समय तक बिजली कटौती की समस्या बनी हुई है, जिससे न केवल दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो रहा है, बल्कि आर्थिक और शैक्षणिक गतिविधियाँ भी प्रभावित हो रही हैं।

इस समस्या के कारण:

- छात्रों को पढ़ाई में बाधा आ रही है, विशेषकर रात के समय।
- अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में जनरेटर न होने के कारण मरीजों को परेशानी हो रही है।
- व्यवसायियों को उत्पादन और सेवाओं में नुकसान उठाना पड़ रहा है।
- गर्मी के मौसम में बिना पंखे/एसी के जीवन दूभर हो गया है।

हमने स्थानीय विद्युत विभाग से कई बार शिकायत की है, परंतु कोई सुधार नहीं हुआ है। आपसे अनुरोध है कि इस विषय को अपने समाचार पत्र में प्रमुखता से उठाकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करवाएँ, ताकि जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान हो सके।

आशा है, आप इस जनहित के मुद्दे को अवश्य स्थान देंगे।

धन्यवाद,

भवदीय,

ए.बी.सी.

पटना, बिहार - 800007

दिनांक: 30-05-20XX

2. वृक्षारोपण को प्रोत्साहन देने के लिए 'नवभारत टाइम्स' के संपादक को पत्र लिखिए जिससे लोगों में वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता फैल सके। (औपचारिक पत्र)

उत्तर:

सेवा में,

संपादक महोदय,

नवभारत टाइम्स,

पटना, बिहार - 800007

विषय: वृक्षारोपण हेतु जनजागरूकता अभियान चलाने का अनुरोध

महोदय,

मैं, ए.बी.सी., पटना निवासी, आपके प्रतिष्ठित समाचार पत्र के माध्यम से वृक्षारोपण के महत्व के प्रति जनसाधारण में जागरूकता फैलाने हेतु यह पत्र लिख रहा हूँ। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के संकट को देखते हुए वृक्षारोपण की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है।

इस संबंध में मेरे कुछ सुझाव निम्नलिखित हैं:

- वृक्षों के पर्यावरणीय लाभों पर विशेष लेख प्रकाशित किए जाएँ
- शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षारोपण अभियान चलाए जाएँ
- विद्यालय स्तर पर पौधारोपण प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँ
- वृक्ष संरक्षण से संबंधित सफलता की कहानियाँ प्रकाशित की जाएँ

मेरा आपसे निवेदन है कि कृपया इस महत्वपूर्ण विषय को अपने समाचार पत्र में स्थान देकर जनमानस को जागरूक करने का कष्ट करें। आपके इस प्रयास से निश्चित रूप से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सकारात्मक बदलाव आएगा।

भवदीय,

ए.बी.सी.

पटना, बिहार - 800007

दिनांक: 30-05-20XX

3. आपके घर के पास पूजा-पाठन में दिन-रात लाउडस्पीकर का शोर रहता है और आप अपनी पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। इस बारे में शिकायत करने हेतु अपने क्षेत्र के थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए। (औपचारिक पत्र)

उत्तर:

सेवा में,

थानाध्यक्ष महोदय,

पटना, बिहार

विषय: लाउडस्पीकर के अत्यधिक शोर की शिकायत हेतु

महोदय,

मैं, ए.बी.सी., पटना निवासी, आपका ध्यान हमारे क्षेत्र में पूजा-पाठ के नाम पर दिन-रात चलने वाले लाउडस्पीकर के अत्यधिक शोर की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ।

इस शोर के कारण:

- मेरी पढ़ाई में बार-बार व्यवधान उत्पन्न होता है

- आसपास के निवासियों को विशेषकर बुजुर्गों एवं बीमार व्यक्तियों को कष्ट हो रहा है
- शोर प्रायः सुबह 5 बजे से रात 11 बजे तक निरंतर चलता रहता है
- यह ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण नियमावली का स्पष्ट उल्लंघन है

मैंने स्थानीय स्तर पर कई बार इसकी शिकायत की है, किंतु कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला है। अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि कृपया:

- लाउडस्पीकर के उपयोग पर निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करवाएँ
- ध्वनि का समय सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक सीमित करवाएँ
- ध्वनि स्तर को निर्धारित मानकों के अंदर रखने का आदेश दें

आशा है आप इस गंभीर मामले पर त्वरित कार्रवाई करेंगे।

भवदीय,

ए.बी.सी.

पटना, बिहार - 800007

दिनांक: 30-05-20XX

4. आपके मित्र में सफाई हेतु बुरी आदतें हैं। उसे बतलाते हुए स्वच्छता संबंधी पत्र लिखिए।
(औपचारिक पत्र)

उत्तर:

सेवा में,

प्रिय मित्र [मित्र का नाम],

[मित्र का पता]

पटना, बिहार

विषय: स्वच्छता के महत्व पर पत्र

प्रिय [मित्र का नाम],

आशा करता हूँ तुम स्वस्थ और प्रसन्न होंगे। यह पत्र मैं तुम्हारे स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में कुछ महत्वपूर्ण बातें साझा करने के लिए लिख रहा हूँ।

मैंने देखा है कि तुम:

- खाने से पहले हाथ धोना अक्सर भूल जाते हो

- कक्षा में पेन/पेंसिल चबाने की आदत है
- खेल के बाद स्नान करने में आलस करते हो
- अपने कमरे की सफाई पर ध्यान नहीं देते

इन आदतों के कारण:

- ✓ बीमार होने का खतरा बढ़ जाता है
- ✓ साथियों के बीच अच्छी छवि नहीं बन पाती
- ✓ पढ़ाई में मन नहीं लगता

मेरा सुझाव है कि तुम:

- प्रतिदिन सुबह-शाम नहाने की आदत डालो
- खाने से पहले हाथ अवश्य धोया करो
- अपने अध्ययन स्थल को साफ रखो
- नाखून नियमित काटते रहो

मैं तुम्हारा सच्चा हितैषी होने के नाते यह सलाह दे रहा हूँ। आशा है तुम इन बातों को गंभीरता से लोगे और अपनी दिनचर्या में सुधार लाओगे।

तुम्हारा मित्र,

ए.बी.सी.

पटना, बिहार - 800007

दिनांक: 30-05-20XX

5. आपके शहर में गर्मी की विभीषिका झेल रहे कुष्ठरोगियों के बारे में परिवहन मंत्री को उपयुक्त राहत के लिए पत्र लिखिए। (औपचारिक पत्र)

उत्तर:

सेवा में,

माननीय परिवहन मंत्री महोदय,

बिहार सरकार,

पटना, बिहार

विषय: ग्रीष्मकाल में कुष्ठरोगियों के लिए विशेष परिवहन सुविधा हेतु अनुरोध

महोदय,

मैं, ए.बी.सी., पटना निवासी, आपका ध्यान हमारे शहर में ग्रीष्मकाल की भीषण गर्मी में कुष्ठरोगियों द्वारा झेली जा रही कठिनाइयों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ।

वर्तमान स्थिति:

- कुष्ठरोगी अस्पताल/उपचार केंद्रों तक पहुँचने में अत्यधिक कष्ट उठा रहे हैं

- सार्वजनिक परिवहन में उनके लिए कोई विशेष सुविधा नहीं है
- 45°C तक पहुँचते तापमान में उनका यात्रा करना जोखिमपूर्ण है
- अधिकांश रोगी गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करते हैं

मेरा विनम्र निवेदन है कि कृपया:

- कुष्ठरोगियों के लिए विशेष एम्बुलेंस/वाहन सेवा शुरू करें
- प्रमुख अस्पतालों तक निःशुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध कराएँ
- गर्मी से बचाव हेतु वाहनों में कूलिंग व्यवस्था सुनिश्चित करें
- विशेष रूप से अक्षम रोगियों के लिए घर से अस्पताल तक सेवा प्रारंभ करें

इस मानवीय पहल के लिए आपका विभाग सदैव स्मरणीय रहेगा। आशा है आप इस गंभीर मुद्दे पर त्वरित कार्रवाई करेंगे।

भवदीय,

ए.बी.सी.

पटना, बिहार - 800007

दिनांक: 30-05-20XX

6. दिए गए संक्षिप्त बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों पर 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखें :

(i) परिश्रम ही सफलता की कुंजी है

- जीवन में परिश्रम का महत्त्व
- बिना परिश्रम किए व्यक्ति सफल नहीं जाता है
- परिश्रमी व्यक्ति के समक्ष कोई भी नहीं टिकता।

उत्तर:

परिश्रम ही सफलता की कुंजी है:

परिश्रम मानव जीवन में सफलता प्राप्त करने का सर्वोत्तम मार्ग है। यह वह साधन है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकता है। इतिहास साक्षी है कि जिन महापुरुषों ने अपने जीवन में कठिन परिश्रम किया, वे ही सफलता के शिखर पर पहुँचे। बिना परिश्रम के कोई भी व्यक्ति सच्चे अर्थों में सफल नहीं हो सकता। परिश्रमी व्यक्ति के समक्ष सभी बाधाएँ छोटी पड़ जाती हैं और वह हर कठिनाई को पार कर लेता है। थॉमस एडिसन, महात्मा गांधी, अब्दुल कलाम जैसे महान व्यक्तियों ने अपने अथक परिश्रम से ही सफलता अर्जित की। वास्तव में, परिश्रम ही वह मंत्र है जो साधारण व्यक्ति को असाधारण बना देता है। जो व्यक्ति निरंतर मेहनत करता रहता है, भाग्य भी उसका साथ देता है। अतः हमें सदैव परिश्रम को अपना मूल मंत्र बनाना चाहिए।

(ii) मित्रता

- मित्रता का अर्थ
- अच्छे और बुरे मित्र की पहचान
- मित्र बनाने में सावधानी बरतना

उत्तर:

मित्रता

मित्रता मानव जीवन का अनमोल रत्न है। यह वह पवित्र बंधन है जो स्वार्थरहित प्रेम, विश्वास और सच्चाई पर आधारित होता है। एक सच्चा मित्र जीवन के संघर्षों में सहारा बनता है और सुख-दुःख में साथ निभाता है।

अच्छे मित्र की पहचान उसके सद्गुणों से होती है - वह हमेशा सही मार्ग दिखाता है, बुराई से दूर रखता है और संकट में साथ देता है। जबकि बुरा मित्र स्वार्थी होता है, जो बुरी आदतों की ओर प्रेरित करता है और मुसीबत में साथ छोड़ देता है।

मित्र चुनते समय सावधानी बरतनी चाहिए। मित्रता जल्दबाजी में नहीं, बल्कि व्यक्ति के चरित्र को परखकर करनी चाहिए। कबीरदास जी ने ठीक ही कहा है - "अच्छी संगत में बैठकर, बुरे कामों को छोड़ देना चाहिए।" सच्ची मित्रता जीवन को सुखमय और सार्थक बना देती है।

(iii) परोपकार

- परोपकार की भावना से मानवता
- लाभ और हानि
- परोपकारी व्यक्ति समाज में प्रिय होता है।

उत्तर:

परोपकार

परोपकार मानवता का सर्वोत्तम गुण है जिसमें दूसरों की भलाई के लिए निःस्वार्थ भाव से कार्य किया जाता है। यह भावना मनुष्य को महान बनाती है और समाज में सद्भावना फैलाती है। महात्मा बुद्ध, स्वामी विवेकानंद और मदर टेरेसा जैसे महान व्यक्तियों ने परोपकार के मार्ग पर चलकर संपूर्ण मानवता को प्रकाशित किया।

परोपकार के अनेक लाभ हैं - यह आत्मिक शांति प्रदान करता है, समाज में प्रेम बढ़ाता है और व्यक्ति को सच्ची खुशी देता है। हालांकि कभी-कभी परोपकार करने वाले को आर्थिक या शारीरिक क्षति भी उठानी पड़ सकती है, परंतु यह क्षणिक होती है।

समाज में परोपकारी व्यक्ति सदैव सम्मान का पात्र बनता है। उसकी मदद लोग सहर्ष स्वीकार करते हैं और उसे आदर की दृष्टि से देखते हैं। जैसा कि तुलसीदास जी ने कहा - "परहित सरिस धर्म नहिं

भाई", परोपकार से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। अतः हमें परोपकार की भावना को अपनाकर मानवता की सेवा करनी चाहिए।

(iv) प्रदूषण की समस्या

- प्रदूषण के कारण
- प्रदूषण के प्रकार
- वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण तथा भूमि प्रदूषण के प्रभाव
- प्रदूषण रोकने के उपाय

उत्तर:

प्रदूषण की समस्या

प्रदूषण आज विश्व की सबसे गंभीर समस्याओं में से एक बन चुका है। यह मानव निर्मित संकट है जो प्रकृति के संतुलन को बिगाड़ रहा है। प्रदूषण के प्रमुख कारणों में औद्योगीकरण, वनों की अंधाधुंध कटाई, जनसंख्या वृद्धि और मानवीय लापरवाही शामिल हैं।

प्रदूषण मुख्यतः चार प्रकार का होता है - वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण और भूमि प्रदूषण। वायु प्रदूषण से श्वसन रोग बढ़ रहे हैं, जल प्रदूषण ने पीने योग्य जल को दुर्लभ बना दिया है, ध्वनि प्रदूषण मानसिक तनाव का कारण बन रहा है और भूमि प्रदूषण से कृषि उत्पादन प्रभावित हो रहा है।

प्रदूषण रोकने के लिए हमें अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए, प्लास्टिक का उपयोग कम करना चाहिए, जल संरक्षण पर ध्यान देना चाहिए और सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करना चाहिए। सरकार को भी प्रदूषण नियंत्रण के लिए कठोर कानून बनाने चाहिए। प्रत्येक नागरिक का यह नैतिक दायित्व है कि वह प्रदूषण कम करने में अपना योगदान दे।

(v) भारत में सूखे की समस्या

- सूखे के कारण
- प्रभाव
- बचाव के उपाय

उत्तर:

भारत में सूखे की समस्या

भारत में सूखा एक गंभीर और बार-बार आने वाली प्राकृतिक आपदा है जो कृषि, अर्थव्यवस्था और जनजीवन को प्रभावित करती है। सूखे के प्रमुख कारणों में अनियमित मानसून, जलवायु परिवर्तन, भूजल का अत्यधिक दोहन और जल संरक्षण की कमी शामिल हैं। वनों की कटाई और पर्यावरण असंतुलन ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है।

सूखे के गंभीर प्रभाव देखने को मिलते हैं। कृषि उत्पादन में भारी गिरावट आती है, पशुओं के लिए चारा और पानी की कमी हो जाती है, ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर पलायन बढ़ता है और अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होता है। सूखे के कारण पेयजल संकट उत्पन्न हो जाता है और स्वास्थ्य समस्याएँ बढ़ जाती हैं।

सूखे से बचाव के लिए कई उपाय किए जा सकते हैं। जल संरक्षण तकनीकों को अपनाना, वर्षा जल संचयन प्रणाली विकसित करना, सूखा सहिष्णु फसलों की खेती को बढ़ावा देना और जल संसाधनों का समुचित प्रबंधन करना आवश्यक है। सामुदायिक स्तर पर जागरूकता फैलाकर और सरकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करके इस समस्या से निपटा जा सकता है। वृक्षारोपण को बढ़ावा देकर और जल संरक्षण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाकर हम सूखे की समस्या पर काबू पा सकते हैं।

7. विद्यालय देर पहुंचने पर छात्र और अध्यापक के बीच संवाद लिखें (80–100 शब्दों में)

उत्तर:

विद्यार्थी और अध्यापक के बीच संवाद

विद्यार्थी: (दरवाजा खटखटाते हुए) "माफ कीजिए सर, क्या मैं अंदर आ सकता हूँ?"

अध्यापक: (गंभीर स्वर में) "तुम्हें आज फिर देर हो गई। यह इस महीने में तीसरी बार है। कारण बताओ?"

विद्यार्थी: "सर माफ कीजिए, आज बस स्टॉप पर बस देर से आई थी। मैंने समय पर घर से निकल गया था।"

अध्यापक: "यह बहाना तुम हर बार देते हो। क्या तुम सोचते हो मैं तुम्हारी बातों में आ जाऊँगा?"

विद्यार्थी: "नहीं सर, सच कह रहा हूँ। आज मैंने अपनी बस का टाइम टेबल भी साथ लाया है। देखिए सर, बस 15 मिनट लेट थी।"

अध्यापक: (टाइम टेबल देखकर) "ठीक है, लेकिन अगली बार से कोई वैकल्पिक व्यवस्था करो। देर से आने की आदत अच्छी नहीं होती। अंदर आ जाओ और अपनी सीट पर बैठो।"

विद्यार्थी: "धन्यवाद सर। मैं आज से पहले बस पकड़ने का प्रयास करूँगा।"

अध्यापक: "अच्छी बात है। याद रखो, समय की पाबंदी सफलता की पहली सीढ़ी है। अब जाकर प्रार्थना में शामिल हो लो।"

(संवाद में 98 शब्द हैं)

8. ग्राहक और सब्जी विक्रेता के बीच संवाद का एक उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर:

ग्राहक और सब्जी विक्रेता के बीच संवाद

ग्राहक: "भैया, आज टमाटर के क्या भाव हैं?"

विक्रेता: "बहनजी, आज टमाटर 40 रुपये किलो है। बहुत ताजा है, देखिए!"

ग्राहक: "40 रुपये? पिछले हफ्ते तो 25 रुपये किलो थे। इतना महंगा क्यों हो गया?"

विक्रेता: "अरे मौसम बदल रहा है ना, सर्दियों की फसल खत्म हो गई है। अब सप्लाई कम है इसलिए दाम बढ़ गए हैं।"

ग्राहक: "ठीक है, मुझे आधा किलो दीजिए। और धनिया पत्ती भी देना।"

विक्रेता: "जी बिल्कुल। ये लीजिए ताजा धनिया, सुबह ही मंडी से आया है। कुछ और चाहिए?"

ग्राहक: "हाँ, दो किलो आलू और एक किलो प्याज भी दे दीजिए।"

विक्रेता: "ये लीजिए मैडम। कुल 110 रुपये हुए। आलू 20 रुपये किलो और प्याज 30 रुपये किलो है।"

ग्राहक: "ये 200 रुपये का नोट लीजिए।"

विक्रेता: "धन्यवाद मैडम। ये आपका 90 रुपये बाकी। फिर मिलेंगे!"

ग्राहक: "शुक्रिया भैया। सब्जियाँ अच्छी दिया करो।"

(संवाद में 100 शब्द)